भारतीय शेयर बाजार से निवेशकों का मोह हो रहा भंग

एशिया का सबसे कम पसंदीदा शेयर बाजार बना: सर्वे

- सर्वे में 272 अरब डॉलर की संपत्ति संभालने वाले 98 फंड मैनेजर शामिल हुए

आज समाज नेटवर्क



नई दिल्ली। बैंक ऑफ अमेरिका के फंड मैनेजर सर्वे में भारत इंडोनेशिया को पीछे छोड़कर एशिया का सबसे कम पसंदीदा शेयर बाजार बन गया है। सर्वे में 272 अरब डॉलर की संपत्ति संभालने वाले 98 फंड मैनेजर शामिल थे। इनमें 32 फीसदी प्रबंधकों ने कहा कि वे भारतीय शेयरों में कम निवेश कर रहे हैं। यह स्थिति ऐसे समय आई है, जब भारतीय शेयर बाजार का प्रदर्शन एशिया के कई प्रमुख बाजारों की तुलना में कमजोर रहा है। विदेशी निवेशकों की सबसे बड़ी चिंता भारतीय कंपनियों में एआई से जुड़ी स्पष्ट संभावनाओं का अभाव है। इसके अलावा भारत की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार, सुधारों की धीमी गति और शेयरों का ऊंचा मूल्यांकन भी चिंता बढ़ा रहा है। निवेशकों का मानना है कि भारतीय बाजार में शेयरों की कीमतें पहले से काफी ऊंची हैं, जबकि कंपनियों की भविष्य की वृद्धि को लेकर उतना भरोसा नहीं दिख रहा है। इसके मुकाबले ताइवान और जापान निवेशकों की पसंद बने हुए हैं। ऐसा नहीं है। भारत को लेकर सतर्कता बढ़ने के बावजूद चालू तिमाही में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों में 4 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है। यह क्षेत्रीय उभरते बाजारों में सबसे ज्यादा है। यानी विदेशी निवेशक भारत से पूरी तरह दूरी नहीं बना रहे हैं, लेकिन वे अब निवेश करते समय ज्यादा सावधानी बरत रहे हैं। साल की पहली छमाही में भारतीय शेयरों से रिकॉर्ड विदेशी निकासी हुई थी। भारतीय कंपनियों के मुनाफे में सुधार हुआ है। हालिया तीन महीने की अवधि में निफ्टी 50 में शामिल कंपनियों की कमाई पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 18 फीसदी बढ़ी है। मार्च के निचले स्तर से निफ्टी करीब 7.5 फीसदी ऊपर आया है। इसके बावजूद इस साल अब तक निफ्टी में करीब 8 फीसदी की गिरावट है। इससे भारत का प्रदर्शन एशिया के प्रमुख बाजारों में दूसरा सबसे खराब रहा है। यही अंतर निवेशकों के लिए चिंता का कारण बन रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और अमेरिका-ईरान संघर्ष विराम खत्म होने के बाद कूटनीतिक समाधान नहीं निकलने से बाजार पर दबाव बढ़ा। बुधवार को सेंसेक्स लगातार चौथे कारोबारी दिन गिरकर बंद हुआ, जबकि निफ्टी में लगातार सातवें दिन गिरावट दर्ज हुई। सेंसेक्स 325.78 अंक यानी 0.42 फीसदी गिरकर 76,909.68 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 76.60 अंक यानी 0.32 फीसदी फिसलकर 24,078.30 अंक पर पहुंच गया। पिछले चार कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स कुल 1,170.28 अंक यानी 1.49 फीसदी टूट चुका है। वहीं, निफ्टी सात कारोबारी सत्रों में 505.50 अंक यानी करीब 2 फीसदी गिरा है। बाजार में लगातार कमजोरी से निफ्टी की 10 साल से चली आ रही वार्षिक बढ़त की परंपरा टूटने का खतरा भी बना हुआ है। फेडरल रिजर्व की बैठक की विस्तृत जानकारी आने से पहले निवेशकों ने भी जोखिम लेने से परहेज किया। भारत के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक वृद्धि, कंपनियों की कमाई और शेयरों के मूल्यांकन के बीच संतुलन बनाने की है। एक तरफ कंपनियों की कमाई में सुधार और विदेशी निवेश की वापसी सकारात्मक संकेत हैं। दूसरी तरफ ऊंचे मूल्यांकन, एआई से जुड़ी सीमित संभावनाएं, धीमी सुधार प्रक्रिया, कच्चे तेल की कीमत और वैश्विक तनाव बाजार पर दबाव डाल रहे हैं। ऐसे में आने वाले समय में निवेशकों का भरोसा मजबूत करना भारतीय बाजार के लिए बड़ी चुनौती होगी।

भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी

बीते कई दिनों से शेयर मार्केट में जारी गिरावट आज थम चुकी है। सेंसेक्स में जहां चार दिनों से यह चाल बनी थी, वहीं निफ्टी में बीते सात दिनों से गिरावट थी। आज गुरुवार को मार्केट बंद के दौरान बाजार के दोनों बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी तेजी दिखी।सेंसेक्स 628 अंकों के उछाल के साथ हरे निशान में 77,537.72 के लेवल पर कारोबार करते हुए बंद हुआ, जबकि निफ्टी 153.55 अंकों की तेजी के साथ हरे निशान में 24,231.85 के लेवल पर ट्रेड करते हुए बंद हुआ। मार्केट बंद के दौरान सेंसेक्स में 0.82 फीसदी की तेजी तो निफ्टी में 0.64 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया। इटरनल (जोमैटो) के शेयर में दो फीसदी से अधिक की तेजी नजर आई। सेंसेक्स के शीर्ष 30 शेयरों में आज मार्केट ओपनिंग के दौरान सभी में तेजी दिखी थी, लेकिन बाजार बंद के समय यह घटकर 26 शेयरों पर आ गई। वहीं, मार्केट बंद के समय चार शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जिनमें टाटा स्टील (0.41%), इंडिगो (0.24%), एचसीएल टेक (0.19%) और टाइटन (0.04%) शामिल हैं। उछाल वाले शेयरों की बात करें तो इटरनल में सबसे अधिक 2.31 फीसदी की तेजी दिखी। यह मार्केट बंद के दौरान हरे निशान में 327.60 के लेवल पर दिखा। इसके अलावा कोटक बैंक में 1.65 फीसदी, आईटीसी में 1.63 फीसदी, बजाज फाइनेंस में 1.53 फीसदी, एक्सिस बैंक में 1.46 फीसदी, इन्फोसिस में 1.18 फीसदी, पावरग्रिड में 1.07 फीसदी और भारती एयरटेल में 0.96 फीसदी की तेजी दिखी। सेंसेक्स आज गुरुवार को 500 अंकों से अधिक की तेजी के साथ खुला था और हरे निशान में 77,468.45 पर कारोबार कर रहा था। बीते सत्र में यह लाल निशान में गिरावट के साथ 76,909.68 पर बंद हुआ था। निफ्टी उछाल के साथ 24,225.45 के लेवल पर खुला था। बीते कारोबारी सत्र में यह गिरावट के साथ 24,078.30 पर बंद हुआ था। सुबह 9 बजकर 46 मिनट पर सेंसेक्स में 0.72 फीसदी की तेजी दिखी थी। यह 550.59 अंकों की तेजी के साथ हरे निशान में 77,460.27 के लेवल पर ट्रेड कर रहा था। वहीं, 9 बजकर 47 मिनट पर निफ्टी में 0.54 फीसदी की तेजी दिखी थी। यह 131.20 अंकों के उछाल के साथ 24,209.50 पर कारोबार कर रहा था। बीते चार दिनों से सेंसेक्स और सात दिनों से निफ्टी गिरावट दिखा रहे थे, लेकिन आज इसपर ब्रेक लग गया और मार्केट ने गजब की तेजी दिखाई। सेंसेक्स में 628 अंकों की तेजी दिखी तो निफ्टी 0.64 फीसदी उछला।

एआई यूज करने वाली कंपनियों पर लगे टैक्स : राजन



आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। हाल के वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी अक का यूज तेजी से बढ़ा है। इसके कारण बड़ी संख्या में नौकरियां जाने की आशंका है। इस बीच आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने अक टैक्स का सुझाव दिया है। इसके तहत, जब भी कंपनियां किसी इंसान के काम की जगह अकका इस्तेमाल करेंगी, तो उन्हें ज्यादा टैक्स देना पड़ सकता है। उनका प्रस्ताव है कि अकके इस्तेमाल पर शुरू में कम टैक्स लगाया जाना चाहिए और इसे बाद में बढ़ाया जाना चाहिए। रघुराम राजन ने हाल में प्रकाशित एक लेख 'How Corporations Can Mitigate an AI Jobocalypse' में सुझाव दिया कि सरकारें कंपनियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले अक टोकन पर टैक्स लगा सकती हैं। साथ ही वे कंपनियों के वर्कर्स ॉको फिर से ट्रेनिंग देने और उन्हें बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इंसेंटिव भी दे सकती हैं। उन्होंने कहा, 'ऐसी दुनिया में जहां सरकारें पहले से ही पैसे की कमी से जूझ रही हैं, बराबरी का माहौल बनाने का एक तरीका यह है कि कोई कंपनी जो अक टोकन इस्तेमाल करती है, उस पर टैक्स लगाया जाए।' उनका कहना है कि जब कोई कंपनी किसी व्यक्ति को काम पर रखती है, तो उसे सोशल-सिक्योरिटी कंट्रीब्यूशन और नौकरी से जुड़े दूसरे खर्च उठाने पड़ते हैं। अक का इस्तेमाल से उसका यह खर्च बच जाएगा। आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने लिखा, 'अमेरिका की एक कंपनी हर कर्मचारी के लिए सोशल-सिक्योरिटी पेमेंट करती है, लेकिन अक के लिए नहीं।' उनका प्रस्ताव है कि अकके इस्तेमाल पर शुरू में कम टैक्स लगाया जाए। फिर जैसे-जैसे रोजगार पर टेक्नोलॉजी के असर का प्रभाव नजर आए, उस हिसाब से इसे धीरे-धीरे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि अक की वजह से नौकरियों पर असर पड़ना तय है। लेकिन कोई नहीं जानता कि यह कितनी तेजी से होगा, कितना आगे जाएगा और किन सेक्टर पर सबसे ज्यादा असर डालेगा। बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि अलग-अलग कंपनियां अपने कामकाज में इस टेक्नोलॉजी को कितनी तेजी से अपनाती हैं। कई कंपनियां अभी भी अक को आजमा रही हैं। राजन का कहना है कि कॉम्पिटिशन का दबाव आखिरकार कंपनियों को अकका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने के लिए मजबूर करेगा। उन्होंने कहा कि चीजों में समय लगता है। जो कंपनियां टेक्नोलॉजी में माहिर नहीं हैं, उन्हें ज्यादा समय लगेगा।

खबर एक्सप्रेस

टाटा प्ले ग्राहकों के लिए खुशखबरी, 4 महीने मुफ्त मिलेगा स्पॉटिफाई प्रीमियम

चंडीगढ़। टाटा प्ले, भारत के प्रमुख मनोरंजन वितरण मंच, ने स्पॉटिफाई के साथ साझेदारी कर एक नया प्रस्ताव पेश किया है। इस प्रस्ताव के तहत टाटा प्ले के ग्राहक दुनिया की लोकप्रिय ऑडियो स्ट्रीमिंग सेवाओं में से एक स्पॉटिफाई का आनंद उठा सकेंगे। यह प्रस्ताव आज से टाटा प्ले बिंज के ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगा। इसके बाद इसे टाटा प्ले मोबाइल ऐप पर भी उपलब्ध कराया जाएगा।संगीत से जुड़ी अपनी सेवाओं का विस्तार करते हुए, टाटा प्ले अपने ग्राहकों को मनोरंजन के और भी शानदार विकल्प उपलब्ध करा रहा है। साथ ही, यह सुविधा उसकी मौजूदा टेलीविजन और ओटीटी सेवाओं को और भी व्यापक एवं समृद्ध बनाती है। इस विशेष प्रस्ताव के तहत, स्पॉटिफाई प्रीमियम के नए उपयोगकताओं को स्पॉटिफाई प्रीमियम स्टैंडर्ड की चार महीने की नि:शुल्क सदस्यता दी जाएगी। इसके माध्यम से वे चार महीने तक स्पॉटिफाई प्रीमियम की सुविधाओं का बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के लाभ उठा सकेंगे।इस पहल के शुभारंभ के अवसर पर टाटा प्ले की चीफ कमर्शियल और कंटेंट ऑफिसर पल्लवी पुरी ने बताया कि, 'यह साझेदारी टाटा प्ले की व्यापक घरेलू पहुंच और स्पॉटिफाई के विश्वस्तरीय ऑडियो मंच को एक साथ लाती है, जिससे ग्राहकों को अधिक बेहतर मनोरंजन अनुभव मिलेगा।

जवानों के लिए एथर की खास पेशकश, अब सीएसडी के जरिए खरीद सकेंगे इलेक्ट्रिक स्कूटर

चंडीगढ़। भारत की जानीमानी इलेक्ट्रिक स्कूटर कंपनी एथर एनर्जी को अब कैंटीन स्टोर्स डिपार्टमेंट (सीएसडी) पोर्टल के जरिए अपने स्कूटर बेचने की मंजूरी मिल गई है। इससे सशस्त्र बलों के पात्र जवान सीएसडी से एथर के इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीद सकेंगे। इन स्कूटरों की सीएसडी के जरिए बिक्री सितंबर 2026 से शुरू होने की उम्मीद है।सीएसडी पोर्टल पर एथर के कुल 450 और रिज्टा मॉडल के 8 वेरिएंट उपलब्ध होंगे। लेकिन इसमें एथर 450 एपेक्स शामिल नहीं है। एथर भारत की शुरूआती उन दो इलेक्ट्रिक स्कूटर कंपनियों में शामिल है, जिनके स्कूटर सीएसडी पोर्टल पर बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे।सीएसडी के जरिए जवान एथर 450 और रिज्टा खरीद सकेंगे। कंपनी इन स्कूटर पर खास छूट भी देगी। इसके अलावा सीएसडी से खरीदारी पर मिलने वाली जीएसटी में छूट भी मिलेगी। यानी जवानों को एथर स्कूटर खरीदने पर अतिरिक्त बचत होगी। एथर एनर्जी लिमिटेड के चीफ बिजनेस ऑफिसर, रवनीत सिंह फोकेला ने बताया कि एथर की 450 सीरीज ऐसे लोगों के लिए बनाई गई है, जिन्हें बेहतर प्रदर्शन और रोजाना चलाने में मजा चाहिए। वहीं रिज्टा एक फैमिली स्कूटर है, जिसमें आराम, ज्यादा उपयोगिता और रोजमर्रा की जरूरतों का ध्यान रखा गया है।सीएसडी पर इन दोनों सीरीज के 8 वेरिएंट उपलब्ध होंगे। इससे सशस्त्र बलों के जवान अपनी जरूरत और पसंद के हिसाब से स्कूटर चुन सकेंगे।देश में इलेक्ट्रिक स्कूटरों का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है।

जावा येज्दी मोटरसाइकल्स ने अमेजन.इन और फ्लिपकार्ट पर रोडस्टर रेड वुल्फ के साथ अपनी डिजिटल पहुंच का विस्तार किया

चंडीगढ़। जावा येज्दी मोटरसाइकल्स ने अमेजन.इन और फ्लिपकार्ट पर येज्दी रोडस्टर रेड वुल्फ को लॉन्च किया, जिससे भारत के प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के जरिए उनकी यह नवीनतम रोडस्टर अधिक व्यापक दर्शकों तक पहुंच सकेगी। यह कदम ब्रांड के 'डिजिटल-फर्स्ट' दृष्टिकोण को मजबूत करता है, जिससे ग्राहक अपने अधिकृत डीलरशिप नेटवर्क के सहयोग से ऑनलाइन माध्यम से आसानी से बाइक को खोज सकते हैं और ओनरशिप की शुरूआत कर सकते हैं।1970 के दशक की येज्दी की विरासत से प्रेरित, रेड वुल्फ अपनी गहरी लाल फिनिश, विस्तृत क्रोम डिटेलिंग और शानदार रोडस्टर स्टांस के साथ सबसे अलग नजर आती है। 6-स्पीड गियरबॉक्स और असिस्ट एवं स्लिपर क्लच के साथ 350 अल्फा2 लिक्विड-कूल्ड इंजन द्वारा संचालित, यह मोटरसाइकिल एक रिफाइंड और आकर्षक राइडिंग अनुभव प्रदान करती है। लंबी दूरी के आराम को ध्यान में रखकर डिजाइन की गई इस बाइक में आरामदायक एर्गोनॉमिक्स, डुअल-चैनल एबीएस और 12.5 लीटर का फ्यूल टैंक मिलता है जो 350 किमी से अधिक की रेंज देता है।जावा येज्दी मोटरसाइकल्स के सह-संस्थापक अनुपम थरेजा ने कहा, "येज्दी रोडस्टर अपनी विशिष्ट स्टाइलिंग और बेहतरीन इंजीनियरिंग के कारण राइडर्स के बीच काफी लोकप्रिय रही है। जब रेड वुल्फ सामने आई, तो इसने अपने राइडर्स को एक अलग ही अंदाज में आकर्षित किया। भारत के प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर अपनी उपलब्धता के साथ, रेड वुल्फ कई भारतीय शहरों में अपनी खास पहचान पहुंचा सकती है।

भारत के पैसेंजर इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में दूसरी तिमाही में 102 प्रतिशत की जोरदार तेजी

नई दिल्ली। भारत के इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल (ईपीवी) बाजार में 2026 की दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर 102 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि पैसेंजर व्हीकल (पीवी) बाजार की कुल 26 प्रतिशत वृद्धि से काफी अधिक थी। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) की रिपोर्ट के अनुसार, इस तेज वृद्धि की वजह इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते विकल्प, वाहनों की बेहतर उपलब्धता और कुल स्वामित्व लागत का आकर्षक होना है। फर्म ने अनुमान जताया है कि 2026 के अंत तक भारत के पीवी बाजार में ईवी की हिस्सेदारी 7-8 प्रतिशत हो जाएगी, जबकि कनेक्टेड वाहनों की बाजार हिस्सेदारी 40-45 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। सीएमआर के स्मार्ट मोबिलिटी प्रैक्टिस के सीनियर एनालिस्ट अमित शर्मा ने कहा, "भारत का पैसेंजर व्हीकल बाजार 2026 की दूसरी छमाही में स्थिर वृद्धि के लिए तैयार है। इसे त्योहारी सीजन, नए मॉडलों की मजबूत लॉन्च पाइपलाइन और एसयूवी एवं फीचर से भरपूर वाहनों की लगातार मांग से समर्थन मिलेगा।"

बढ़ते कर्ज के बोझ में दब रहा अमेरिका

- पहली बार अमेरिका का कर्ज 40 ट्रिलियन डॉलर के पार

आज समाज नेटवर्क



नई दिल्ली। अमेरिका का कर्ज इतिहास में पहली बार 40 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच गया है। साल 2020 से इसमें 17 ट्रिलियन डॉलर और 2008 से 30 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है। केवल ब्याज चुकाने में ही रोज 3.8 अरब डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि इसके नतीजे आने वाले दिनों में आम लोगों, कंपनियों और सरकार को भुगतने होंगे। देश में हर व्यक्ति पर 119,699 डॉलर का कर्ज है।

दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका पर लंबे समय से काफी कर्ज रहा है, लेकिन हाल के कुछ ट्रेंड्स ने बजट और फाइनेंशियल मार्केट के एक्सपर्ट्स की चिंता और बढ़ा दी है। हाल के वर्षों में कर्ज तेजी से बढ़ा है। ब्याज दरों और उधार लेने में बढ़ोतरी के कारण कर्ज पर ब्याज का भुगतान बहुत बढ़ गया है। सबसे बड़ी चिंता इस बात को लेकर है कि देश का कर्ज ऐसे समय में बढ़ रहा है जबकि इकॉनमी अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक फिस्कल वॉचडॉग ग्रुप पीटर जी. पीटरसन फाउंडेशन के उएड माइकल पीटरसन ने कहा कि अगर यही हाल रहा तो सिर्फ छह साल में अमेरिका का कर्ज $50 ट्रिलियन पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि 10 साल से भी कम समय पहले हम $20 ट्रिलियन पर थे। अमेरिका वास्तव में अपनी अर्थव्यवस्था और अपने देश के भविष्य को खतरे में डाल रहा है।

अमेरिका पर कर्ज का बोझ तेजी से बढ़ने में कई कारण हैं। एक बड़ा कारण यह है कि देश की आबादी बूढ़ी हो रही है। हर दिन लगभग 10,000 बेबी बूमर्स रिटायर हो रहे हैं। 1946 से 1964 के बीच जन्मे लोगों को बेबी बूमर कहा जाता है। साथ ही अमेरिका में लोगों की उम्र बढ़ गई है। इसका मतलब है कि यह है कि सरकार सोशल सिक्योरिटी और मेडिकेयर पर पहले से कहीं अधिक खर्च कर रही है। अमेरिकी सरकार अब रोजाना ब्याज चुकाने पर 3.8 अरब डॉलर खर्च कर रही है। अनुमान है कि 2028 तक अमेरिका हर दिन ब्याज पर लगभग 5 अरब डॉलर खर्च करेगा, जो किसी भी दूसरे खर्च से ज्यादा होगा। अमेरिका अभी हर दिन मेडिकेयर पर 3.1 अरब डॉलर और डिफेंस पर 2.5 अरब डॉलर खर्च करता है। यानी मेडिकेयर और डिफेंस से ज्यादा खर्च कर्ज का ब्याज चुकाने में जा रहा है।

रिलायंस भारत में एनर्जी और इंडस्ट्री सेक्टर में अब तक के सबसे बड़े निवेश के लिए तैयार

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भारत में एनर्जी और इंडस्ट्री के सेक्टर में अब तक के सबसे बड़े निवेशों में से एक का प्रस्ताव दिया है। इसके तहत आंध्र प्रदेश में एक इंटीग्रेटेड अंडरग्राउंड कोल गैसीफिकेशन कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए 30 वर्षों में लगभग 2.73 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब भारत अपने विशाल कोयला संसाधनों से अधिक मूल्य प्राप्त करने और साथ ही इंपोर्टेड गैस और केमिकल फीडस्टॉक पर निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है।

रिलायंस के लिए, यह कोयला संसाधनों के क्षेत्र में एक नया और महत्वपूर्ण कदम है, हालांकि कंपनी पारंपरिक कोयला खननकर्ता बनने का प्रस्ताव नहीं दे रही है। क्या रिलायंस भारतीय परिस्थितियों में कमर्शियल स्तर पर अंडरग्राउंड कोल गैसीफिकेशन को सफल बना सकती है? अगर ऐसा होता है, तो क्या इससे बनने वाली गैस और केमिकल बाहरी एनर्जी झटकों के प्रति भारत की संवेदनशीलता को काफी हद तक कम कर सकते हैं? ईटी की रिरपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि रिलायंस ने कोयला मंत्रालय की ई-नीलामी के माध्यम से आंध्र प्रदेश में चिंतालापुडी और रेचेरला कोयला ब्लॉक हासिल किए हैं और एलुरु जिले में एक इंटीग्रेटेड अंडरग्राउंड कोल गैसीफिकेशन (UCG) कॉम्प्लेक्स विकसित करने का प्रस्ताव दिया है। संभावित निवेश का अनुमान 30 वर्षों में 2.73 लाख करोड़ रुपए लगाया गया है, लेकिन यह इस बात पर निर्भर करता है कि खोज (एक्सप्लोरेशन) से यह साबित हो जाए कि परियोजना तकनीकी और व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य (viable) है। इस प्रस्ताव के तीन फेज हैं। 2026 की तीसरी तिमाही से 2027 की चौथी तिमाही तक खोज और पायलट वर्क में 3,000 करोड़ रुपए तक का खर्च आएगा। यदि यह सफल होता है, तो रिलायंस 2028-30 के दौरान डेवलपमेंट पर 1.2 लाख करोड़ रुपए और 2030 के बाद प्रोडक्शन फेज में 1.5 लाख करोड़ रुपए खर्च करेगी। ईटी की रिपोर्ट के अनुसार, ये आंकड़े आंध्र प्रदेश सरकार को सौंपे गए प्रस्ताव में दिए गए हैं। ये दोनों ब्लॉक बड़े हैं। चिंतालापुडी ब्लॉक लगभग 3,000 एकड़ में फैला है और इसमें अनुमानित 904.94 मिलियन टन G-12 ग्रेड का कोयला है। रेचेरला ब्लॉक 5,500 एकड़ में फैला है और इसमें अनुमानित 2,225.67 मिलियन टन G-13 ग्रेड का कोयला है। कुल अनुमानित भंडार 3.13 बिलियन टन है। अधिकारियों ने मींडिया रिपोर्ट में कहा कि यह भंडार जमीन के नीचे आधे किलोमीटर से अधिक गहराई पर स्थित है। इसकी सबसे बड़ी आर्थिक अहमियत यह है कि कंपनी पारंपरिक माइनिंग के बिना ही कोयले से गैस निकालती है। पारंपरिक कोल गैसीफिकेशन में, कोयले को माइन कर-के सतह पर लाया जाता है और फिर उसे गैस में बदला जाता है। अंडरग्राउंड कोल गैसीफिकेशन (UCG) में कोयले की परत (सीम) को ही गैसीफिकेशन रिएक्टर में बदल दिया जाता है।जमीन के नीचे कोयले की परत में कुएं खोदे जाते हैं। एक कुएं के जरिए हवा, ऑक्सीजन या भाप जैसा ऑक्सीडाइजिंग एजेंट अंदर भेजा जाता है। कोयला आंशिक रूप से जलता है और जमीन के नीचे केमिकल रिएक्शन होते हैं। दूसरे कुएं से बनी गैस को सतह पर लाया जाता है। मुख्य प्रोडक्ट सिनगैस या सिंथेसिस गैस होती है। यह नेचुरल गैस जैसी नहीं होती। सिनगैस में आमतौर पर हाइड्रोजन और कार्बन मोनोऑक्साइड के साथ-साथ अलग-अलग मात्रा में मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड होती है।

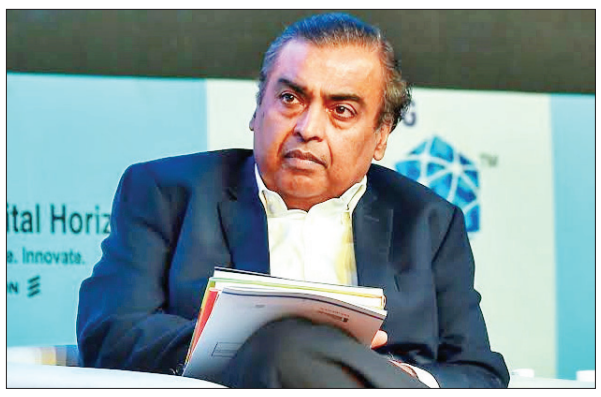

देश के पेट्रोल पंप पर ई10 पेट्रोल की होगी वापसी!

ई20 के लिए तैयार नहीं हैं देश में चल रहे लाखों वाहन

- पिछले दिनों मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने भी दिया था ई10 पेट्रोल के लिए सुझाव

आज समाज नेटवर्क



नई दिल्ली। केंद्र सरकार मौजूदा E20 पेट्रोल के साथ पुराने वाहनों के लिए E10 पेट्रोल उपलब्ध कराने की संभावना पर विचार कर रही है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन के सुझाव के बाद इस मुद्दे पर तेल कंपनियों के साथ बातचीत शुरू हुई है। हालांकि, यह बातचीत अभी शुरूआती चरण में है और E10 को दोबारा बाजार में उतारने का कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। सरकार का ध्यान खास तौर पर उन पुराने वाहनों पर है, जो E20 के लिए तैयार नहीं किए गए हैं। भारत ने पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनॉल मिलाने का लक्ष्य तय समय से करीब पांच साल पहले हासिल कर लिया था। इसके बाद E20 पेट्रोल को प्रमुख ईंधन विकल्प के तौर पर लागू किया गया। इससे पुराने कार और दोपहिया वाहन मालिकों की चिंता बढ़ी है। उनका कहना है कि ज्यादा इथेनॉल मिश्रण के लिए डिजाइन नहीं किए गए वाहनों में माइलेज कम हो सकता है और इंजन से जुड़ी परेशानियां पैदा हो सकती हैं। इसी वजह से E10 को एक वैकल्पिक ईंधन के तौर पर फिर से लाने की मांग उठ रही है। सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती ईंधन की आपूर्ति और वितरण व्यवस्था है। अगर E10 और E20 दोनों पेट्रोल उपलब्ध कराए जाते हैं तो पेट्रोल पंपों पर अलग-अलग ईंधन रखने के लिए अतिरिक्त भंडारण व्यवस्था करनी होगी। इसके साथ परिवहन और वितरण का पूरा नेटवर्क भी अलग तरीके से संभालना पड़ सकता है।

सरकार पहले भी देशभर में पेट्रोल के अलग-अलग ग्रेड उपलब्ध कराने को महंगा और जटिल काम बता चुकी है। इसलिए E10 की वापसी सिर्फ ईंधन बनाने का नहीं, बल्कि पूरी आपूर्ति व्यवस्था का सवाल है। इनपुट के मुताबिक, अधिकारियों ने गैर-इथेनॉल अनुकूल वाहनों में माइलेज कम होने की चिंताओं को दूर करने की कोशिश की है।

उनका कहना है कि E10 जैसे कम इथेनॉल मिश्रण वाले ईंधन पुराने वाहनों के लिए बेहतर विकल्प हो सकते हैं और इंजन के पुर्जों को नुकसान पहुंचाने की चिंता नहीं होनी चाहिए। हालांकि, सरकार अभी इस बात पर विचार कर रही है कि E10 को देशभर में उपलब्ध कराया जाए या केवल कुछ जगहों पर सीमित विकल्प के तौर पर रखा जाए। नहीं। अभी इसे अंतिम नीति फैसला नहीं माना जा रहा है। सरकार के भीतर केवल इस मुद्दे पर गंभीर समीक्षा और बातचीत शुरू हुई है। इससे पहले जुलाई में सरकार ने देशभर में पेट्रोल के अलग-अलग ग्रेड उपलब्ध कराने में आने वाली मुश्किलों का हवाला दिया था। अब पुराने वाहनों के मालिकों की चिंता और मुख्य आर्थिक सलाहकार के सुझाव के बाद इस विकल्प पर दोबारा विचार किया जा रहा है।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN: L65910KL1992PLC006623,
Registered Office : W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16.09.2026 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :

भिवानी, भिवानी, 0119170700037584, 7601, 7616, 0119170730032794, 2809, 5829, 5839, 5840, 5842, 5850, 5851, 5859, 5865, 5866, 5878, 5900, 5906, 5907, 5938, 5942, 5944, 5946, चरखी दादरी, 0138050700002963, 2971, 4038, 4195, 4199, 4205, 4208, 0138050730006340, 7548, 7744, 7746, 7748, 7749, 7750, दीनोद गेट भिवानी, 0138570700005173, 5774, 5775, 5778, 5785, 5790, 0138570730010164, 0176, 0177, 0198, 0199, 0200, 0201, 0213, 0214, 0215, 0223, 0235, 0249, फ़तेहाबाद, फ़तेहाबाद, 0129250700036523, 6535, 6551, 6578, 6583, 6585, 0129250730017296, 9280, 9310, 9318, 9319, 9329, 9364, 9373, 9377, 9381, 9383, 9402, 9416, टोहाना फतेहाबाद, 0129690700026629, 6644, 6667, 6673, 6674, 6683, 6694, 7393, 7399, 7401, 7407, 7426, 7440, 7445, 7454, 7460, 0129690730033231, 3526, 5668, 5669, 5688, 5689, 5693, 5694, 5702, 5703, 5705, 5706, 5707, 5708, 5714, 5716, 5723, 5739, 5744, 5749, 5753, 5756, 5762, 5764, 5766, 5770, 5772, 5779, 5780, 5783, 5795, 5800, हिसार, हांसी हिसार, 0131230700027342, 7394, 7425, 7429, 7432, 8249, 8264, 8265, 8274, 8277, 8284, 8293, 8294, 8297, 8306, 8309, 8336, 0131230730024324, 4448, 4523, 4726, 4738, 4739, 4751, 4771, 4843, 4844, 4866, 4874, 4882, 4894, 4962, 8949, 8956, 8962, 8985, 8986, 8995, 8998, 8999, 9019, 9020, 9041, 9047, 9048, 9052, 9059, 9061, 9062, 9063, 9064, 9076, 9079, 9084, 9086, 9096, 9099, 9106, 9120, 9121, 9123, रेड स्क्वेयर मार्केट, 0123360700037820, 8651, 8673, 8685, 8694, 8699, 0123360730052776, 6958, 6963, 6973, 6994, 6999, 7001, 7002, 7010, 7025, 7034, 7038, 7042, 7048, 7049, 7050, 7055, 7056, 7065, 7105, हिसार, हिसार, 0118710700036148, 6381, 6399, 6409, 6421, 6427, 6445, 7241, 7242, 7253, 7255, 7256, 7275, 7285, 7290, 7307, 7313, 7316, 7325, 7326, 7338, 0118710730030989, 1002, 1067, 5240, 5248, 5252, 5253, 5284, 5292, 5294, 5296, 5302, 5326, 5336, 5345, 5349, 5350, 5351, 5365, 5368, 5369, 5382, 5384, 5385, 5387, 5392, 5394, 5410, 5414, 5415, 5419, 5421, 5430, 5443, 5455, 5456, 5457, जींद, भगवान नगर जींद, 0130840700025781, 6975, 6998, 7584, 7601, 7617, 7622, 7631, 7639, 7786, 0130840730043243, 3249, 3260, 3287, 3289, 3290, 3291, 3293, 3294, 3296, 3310, 3329, 3331, 3335, 3346, 3353, 3361, जींद, 0119740700030748, 0869, 0908, 1456, 1458, 1463, 1473, 1478, 1510, 1511, 1520, 1525, 0119740730022618, 4498, 4501, 4503, 4508, 4510, 4515, 4521, 4526, 4527, 4528, 4530, 4549, 4556, 4565, 4577, 4579, 4580, 4586, 4593, 4594, रेलवे रोड सफीदों, 0130760700018621, 8751, 9111, 9116, 0130760730011065, 1069, 1118,